# देख तेरे संसार की हालत क्या हो गयी भगवान

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गयी भगवान,
कितना बदल गया इंसान..कितना बदल गया इंसान,
सूरज ना बदला,चाँद ना बदला,ना बदला रे आसमान,
कितना बदल गया इंसान..कितना बदल गया इंसान ||

आया समय बड़ा बेढंगा,आज आदमी बना लफंगा,
कहीं पे झगड़ा,कहीं पे दंगा,नाच रहा नर होकर नंगा,
छल और कपट के हांथों अपना बेच रहा ईमान,
कितना बदल गया इंसान..कितना बदल गया इंसान ||

राम के भक्त,रहीम के बन्दे,रचते आज फरेब के फंदे,
कितने ये मक्कार ये अंधे,देख लिए इनके भी धंधे,
इन्हीं की काली करतूतों से हुआ ये मुल्क मशान,
कितना बदल गया इंसान..कितना बदल गया इंसान ||

जो हम आपस में ना झगड़ते,बने हुए क्यूँ खेल बिगड़ते,
काहे लाखो घर ये उजड़ते,क्यूँ ये बच्चे माँ से बिछड़ते,
फूट-फूट कर क्यों रोते प्यारे बापू के प्राण,
कितना बदल गया इंसान..कितना बदल गया इंसान ||

स्वर - प्रदीप कुमार
फिल्म - नास्तिक (1958)
रचयिता - प्रदीप कुमार

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1238/title/dekh-tere-sansar-ki-haalat-kya-ho-gayi-bhagwan-kitna-badal-gaya-insaan-with-lyrics-By-Pradip-Kumar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |